एकेटीयू दीक्षांत

गोमती नगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में शनिवार को एकेटीयू का दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। मेडल व डिग्री पाकर छात्रों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

62मेडल व 64 हजार डिग्रियां बांटी गईं

लखनऊ | युवा रिपोर्टर

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में शनिवार को डॉ. एपीजी अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के 13 वें दीक्षांत समारोह मनाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में गृहमंत्री राजनाथ सिंह मौजूद रहे। समारोह में 62मेडल व 64 हजार डिग्रियां बांटी गईं।

कुछ यूं खास बना 13वां दीक्षांत

एकेटीयू के 13वां दीक्षांत कई अच्छे प्रयोगों के साथ काफी खास रहा। डॉ. कलाम के नाम पर विश्वविद्यालय के नामकरण के बाद ये पहला दीक्षांत था। पहली बार ऑटोनोमिस स्टेट पाने वाले कॉलेज आईईटी, बीआईईटी झांसी, एचबीटीआई कानपुर जैसे सरकारी संस्थानों के छात्रों को भी दीक्षांत समारोह का मंच साझा करने का मौका मिला। पहली बार इनके लिए अलग से मेडल घोषित किए गए।

मंत्रों के उच्चारण से खुशनुमा हुआ माहौल

दीक्षांत समारोह का माहौल काफी खुशनुमां नजर आया। वेद मंत्रों के उच्चारण से प्रेक्षागृह की आवोहवा में सकारात्मक ऊर्जा घोलने की कोशिश सफल रही। प्रेक्षागृह में प्रवेश, मंत्रों के उच्चारण और इससे उत्पन्न सकारात्मक ऊर्जा ने दर्शकों को बांधे रखा।

देरी पर राज्यपाल ने टोका

एकेटीयू के दीक्षांत समारोह को सुबह नौ बजे से शुरू होना था। लेकिन करीब आधा घंटा देरी से शुरू हुआ। उधर, समय खिंचता चला गया। इस पर राज्यपाल राम नाईक ने अपने सम्बोधन में टोक भी दिया।

उन्होंने कहा कि निर्धारित कार्यक्रम के तहत उन्हें करीब 10.45 पर बोलना था। लेकिन 11.45 बजे बोलने का मौका दिया गया। मजाकिया अंदाज में राज्यपाल बोले की उन्हें सुभाष चन्द्र बोस जयंति पर एक कार्यक्रम में जाना था। लेकिन यूनिवर्सिटी ने लेट कर दिया।

16 को मिले रजत पदक

शुभी श्रीवास्तव : बीबीडी एनआईटी
पूर्वी गोयल : कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज गाजियाबाद
समा परवीन : श्री राम स्वरूप मेमोरियल इंजीनियरिंग कॉलेज लखनऊ
कृतिका कपूर : अजय कुमार गर्ग इंजीनियरिंग कॉलेज गाजियाबाद
सुरभि अग्रवाल : फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी आगरा
कार्तिकेय द्विवेदी : आईएमएस इंजीनियरिंग कॉलेज गाजियाबाद
रोचक राठौर : इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कारपेट टेक्नोलॉजी भदोही
रिचा त्रिपाठी : आईएमएस कॉलेज गाजियाबाद
छाया शर्मा : बीबीएस इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मा ग्रेटर नोएडा
प्रतिभा : आईईसी इंस्टीट्यूट ग्रेटर नोएडा
कृतिका अग्रवाल : गणेश लाल बजाज इंस्टीट्यूट ग्रेटर नोएडा
अंकिता जैन : मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी
रितु : जेएमएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस गाजियाबाद
शैफाली बंसल : विद्या इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी मेरठ
अपराजिता वर्मा : प्रानवीर सिंह इंस्टीट्यूट कानपुर
धनंजय सिंह : पीके इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मेरठ

15 को मिले कांस्य पदक

लिपि गौर : नोएडा इंस्टीट्यूट
अंशिका अग्निहोत्री : कानपुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी
मेघा : अजय कुमार गर्ग इंजीनियरिंग कॉलेज गाजियाबाद
रुपाली तिवारी : एसआरएम कॉलेज लखनऊ
कायनात जफर : अजय कुमार गर्ग कॉलेज गाजियाबाद
अवलीन कौर : कृष्णा इंस्टीट्यूट गाजियाबाद
अमर दुबे : टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट कानपुर
मृदुला शर्मा : मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी
गरिमा चौहान : आरबी नार्थलैंड इंस्टीट्यूट ग्रेटर नोएडा
जूही सागर : ब्रह्मानंद ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस बुलंदशहर
नमिता : श्री राम स्वरूप मेमोरियल इंजीनियरिंग कॉलेज लखनऊ
अशी जैन : मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी
सौम्या : सुंदरदीप कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर
प्रिया रॉय : एक्सिस इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी कानपुर
करुणा धनकानी : प्रानवीर सिंह इंस्टीट्यूट कानपुर

इसरो अध्यक्ष को जाना पड़ा

इसरो अध्यक्ष एएस किरन कुमार कुलाधिपति से मानद उपाधि लेने के कुछ ही मिनट बाद दीक्षांत समारोह छोड़कर जाना पड़ गया। आयोजकों ने बताया कि उन्हें सुबह 11 बजे की फ्लाइट पकड़नी है। हैदराबाद में एक यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम में जाना था।

स्वायत्तशासी संस्थाओं के छात्रों को मेडल

पहली बार एकेटीयू स्वायत्तशासी संस्थाओं के साथ मदन मोहन मालवीया विश्वविद्यालय केटॉपर को भी मेडल दिए गए।

बीआईईटी झांसी : विध्यवासिनी पाण्डेय, नीलू सिंह, रुचि चौधरी
एचबीटीआई कानपुर : आयुषी केसरवानी, नेहा शर्मा, विशाल यादव
आईईटी लखनऊ : यतेन्द्र कुमार शर्मा, अकांक्षा पाण्डेय, सिद्धार्थ पाण्डेय
केएनआईटी सुल्तानपुर: वर्तिका त्यागी, शिवम अग्रवाल, ब्रजेश कुमार

64 हजार को मिली डिग्री

इस साल डिग्री लेने वालों की संख्या में भी कमी आई है। पिछली साल करीब 74 हजार छात्र-छात्राओं को डिग्री दी गई थी। लेकिन इस बार ये संख्या गिरकर करीब 64 हजार पहुंच गई है।

कोर्स	डिग्री
बी.टेक	48,365
बी.आर्क	361
बी.फार्मा	2152
बीएफएडी	24
बीएचएमसीटी	129
एमबीए	8791
एमसीए	3621
एम. फार्मा	363
एम.टेक	552
एम.आर्क	10

छात्रों से बातचीत

तहजीब आगे चलकर आईईएस बनना चाहती है और देश की सेवा करना चाहती हैं। इनके अनुसार किसी भी क्षेत्र में सफलता पाने के लिए जरूरी है कि फोकस स्टडीज की जाए। क्योंकि ध्यान केन्द्रीत नहीं करने पर आप अपने लक्ष्य से भटक जाते हैं। वह अपनी सफलता का श्रेय अपने माता- पिता को देती हैं। इनको उपन्यास पढ़ना पसन्द है।
तहजीब जहरा, बीटेक सिविल ब्रांच

प्रियंका के अनुसार सफलता हासिल करने के लिए पहले आपको एक लक्ष्य तय करना होगा। इसके बाद उसके अनुसार योजना बनाकर पढ़ाई करनी होगी। जिस विषय में आप कमजोर हैं उसपर विशेष ध्यान देना होगा। यह आगे चलकर बैंकिंग के क्षेत्र में अपना भविष्य संवारना चाहती है। इनके पिता अजय कुमार अवस्थी एक बिजनेस मैन है और मां कलकलता अवस्थी हाउस वाइफ है।
प्रियंका अवस्थी,मॉस्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए)

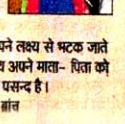

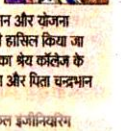

एनआईटी से एमटेक कर रही प्रियंका आगे चलकर पीएचडी करने के बाद एक शिक्षिका बनना चाहती है। प्रियंका कहती है कि छात्रों को अच्छी से अच्छी शिक्षा दी जानी चाहिए। इसके साथ ही कम से कम तीन घंटे की रेग्युलर स्टडी करने पर अच्छा परफॉर्म कर सकते हैं।
प्रियंका गुप्ता, बीटेक इन कॉरपेट एंड टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी

साक्षी आगे चलकर रिसर्च करना चाहती है और नई खोज करके अपने देश का नाम रौशन करने का सपना देख रही हैं। इनका मानना है कि सफलता पाने के लिए कोई भी शार्टकट नहीं होता है। सच्ची लगन और योजना बनाकर मेहनत करने से कुछ भी हासिल किया जा सकता है। यह अपनी सफलता का श्रेय कॉलेज के शिक्षकों और अपने मां प्रभा मिश्रा और पिता चन्द्रभान मिश्रा को देती है।
साक्षी मिश्रा, बीटेक इन मेकेनिकल इंजीनियरिंग

वर्तमान में नौकरी करने वाले यतेन्द्र आईईएस बनकर सरकारी व्यवस्था में सुधार करना चाहते हैं। इनका मानना है कि किसी भी नए टॉपिक को पढ़ने से पहले पिछले टॉपिक का रिवीजन जरूर करें। इसके साथ ही कम से कम पांच घंटा रोज पढ़े। यतेंद्र के पिता लाला शर्मा बिजनेस मैन है और मां आशा शर्मा हाउस वाइफ हैं।
यतेन्द्र कुमार शर्मा, बीटेक इन मैकेनिकल इंजीनियरिंग

फैशन के क्षेत्र में पढ़ाई करने के बावजूद आकृति एक शिक्षिका बनना चाहती हैं और छात्रों को भारतीय परिधानों के महत्व के बारे में पढ़ाना चाहती हैं। इनका मानना है कि रटने की बजाय किसी भी चीज को समझा जाय तो वो कभी भूल नहीं सकता। आकृति अपनी सफलता का श्रेय शिक्षकों और मां-पिता को दिया।
आकृति सिंघल, बीटेक इन फैशन एंड डिजाइन